<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

फरवरी 03, 2018

दिनांक **03 फरवरी, 2018** को सायं 04.00 बजे मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश **"कानपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाएँ एवं चुनातियों"** पर परिचर्चा आयोजित किया गया। सेमिनार का उदघाटन मुख्य-अतिथि श्री सत्यदेव पचौरी, माननीय कबिनेट मंत्री-एमएसएमई, उत्तर प्रदेश सरकार, विशिस्ट अतिथि कानपुर की महापौर माननीया श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, विधायक श्री अरुण पाठक, विधायक अभीजीत सिंह संगा, डॉ. आई.एम. रोहतगी, श्री उमंग अग्रवाल एवं डॉ. सिधान्शु राय द्वारा दीप जलाकर किया गया।

उक्त सत्र के मुख्य-अतिथि श्री सत्यदेव पचौरी, माननीय मंत्री, एमएसएमई, उत्तर प्रदेश सरकार, ने बताया कि सेमिनार का मुख्य-उद्देश्य कानपुर नगर में पर्यटन की संभावनाओं को तरासना एवं पर्यटन विकास से सम्बंधित चुनोतियों को दूर कर कानपुर में पर्यटन को बढावा देकर कानपुर को पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये शहर के विभिन्न पेशेवर लोग तथा समाज के हर वर्ग के लोगों को सम्मिलित किया गया है जो की अपने अपने-अपने छेत्र से सम्बंधित कार्यों हेतु रणनिति बनायेंगे और शासन एवं प्रशासन के साथ मिलकर कानपुर नगर में पर्यटन को बढ़ावा देते हुए शहर की छवि बदलने एवं खूबसूरत बनाने की पहल की जायेगी।

विशिस्ट अतिथि कानपुर की महापौर माननीया श्रीमाती प्रमिला पाण्डेय ने कानपुर के संस्कृतिक महत्व् के बारे में कहा कि हमारा शहर सांस्कृतिक शहर है यहाँ पर बहुत से ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम होते है जो देश में अपना महत्व् बनाये हुए है जैसे होली का गंगा मेला, बिठूर का सांस्कृतिक उत्सव, चन्द्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय का किसान मेला इत्यादि, तो इस सांस्कृतिक धरोहरों को सजोने की जिससे हम कानपुर की एक अलग पहचान बना सके तथा साथ ही साथ अर्थव्यवस्था को भी सुद्रण बनाया जा सकता है।

श्री अरुण पाठक, ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था को सुद्रण बनाने में सहायक है, साथ ही साथ समाज के विकास में भी पर्यटन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा की पूरे विश्व में कई ऐसे देश है जैसे-थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि जहाँ पर्यटन को काफी प्रोत्साहित किया जा रहा है जबकि हमारे देश में पर्यटन की काफी संभावनाएं होने के बावजूद पर्यटन विकसित नहीं हो पा रहा है, इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण मुख्य रूप से सही योजना न बनना है।

श्री अभीजीत सिंह सांगा, ने उपरोक्त विषय पर आयोजित मीटिंग को सराहा एवं कहा की कानपुर के पर्यटन विकास के लिए निरंतर नए नए प्रयोग कर रहे है हमारा शहर ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, महत्वों वाला शहर है ऐसे में काफी सारे स्थलों जैसे बिठूर, नानाराव पार्क, साई मंदिर, आदि को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर सकते है तथा पर्यटकों को आकर्षित कर सकते है।

डॉ. अवध दुबे, ने कहा कि अगर हम पर्यटन का विकास चाहते है तो हमें एक ऐसे सिस्टम का विकास करना होगा जैसे-कानपुर की एक वेबसाइट बनायी गयी है जिसमें आगामी महीनो में होने

वाली गतिविधियों का पूरा ब्यौरा उपलब्ध होगा जिससे दूर से आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिल सके। डॉ. दुबे ने इस फोरम एक गठन पर प्रसन्नता जताई।

डॉ. आई.एम. रोहतगी, ने कानपुर शहर में विभिन्न प्रकार के पर्यटन के प्रोत्साहन पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि अगर प्रशासन और अन्य सम्बंधित विभाग एवं गैर-सरकारी संस्थाएं साथ में मिलकर कार्य करें तो निश्चित ही हम अपने शहर में पर्यटन का विकास कर सकते है। उन्होंने स्कूल, विद्यालयों में टूरिस्ट क्लब गठित करने की सलाह दी।

डॉ. सिधान्शु राय, ने बताया कि इन उद्देश्यों को पूरा करने हेतु कानपुर नगर के विकास का एक रोड मेप बनाया गया है जिसमें हर तरह के कार्यक्रमों जैसे धार्मिक, एतिहासिक, व्यापार, मेला, पर्यटन मेला, खादी, स्पोर्ट्स आदि कार्यक्रमों को आयोजित करने की रूपरेखा बनाई जा रही है, जिससे कानपुर में वर्ष के हर माह कोइ न कोइ कार्यक्रम आयोजित होते रहेगे तथा साथ ही साथ कानपुर नगर का एक पर्यटन ब्रोसर बनाया गया है और पर्यटन की एक वेबसाईट भी बनाई जायेगी जिससे पर्यटक एवं सभी को शहर के पर्यटक स्थलों एवं कार्यक्रमों की पूरी जानकारी प्राप्त होगी जिससे वह उसी के हिसाब से अपना टूर बना सके। उन्होंने कहा कि पर्यटन को विकसित करने की जरुरत है जिसके लिए द्रण-इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच, के साथ-साथ मार्केटिंग करना आवश्यक है ताकि पर्यटक स्थलों के बारे में सही जानकारियाँ मिल सके एवं हमारा प्रयास होगा कि हम कानपुर पर्यटन यात्रा की एक टूरिस्ट बस चालना है जो कि एक माह के अन्दर रविवार को चलाई जायेगी।

श्री प्रदीप दीछित, ने कहा कि कानपुर शहर में पर्यटन के विकास हेतु असीम संभावनाएं है, जहां बिठूर धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटकों को आकर्षित करता है वही भीतरगाव, बेहटा, निबियाखेडा, के मंदिर धार्मक एवं आर्टिफिसियल पर्यटन को बढ़ावा देते है, तथा गंगा बैराज, मेस्कर घाट, फूलबाग, मोतीझील, इत्यादि प्लेजर पर्यटन को आकर्षित करते है। हम पौराणिक एवं ऐतिहासिक थाओंको लेकर उसी तरह के वातावरण को तैयार कर आर्टिफिसियल पर्यटन को बढ़ावा दे सकते है और पर्यटकों को आकर्षित कर सकते है।

फीटा के श्री उमंग अग्रवाल, ने धार्मिक ऐतिहासिक, एवं सांस्कृतिक पर्यटन के अलावा पर्यटन के नए स्वरूपों को विस्तार से बताया और कहा कि हमारे शहर में पर्यटन की असीम संभावनाएं है एवं कुछ नए अवसर जैसे मेडिकल, गंगा हेरिटेज पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, आदि को भी विकसित किया जा सकता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि हम सब मिलकर कानपुर में पर्यटन को विकसित करने के लिये प्रयास करगें।

श्री शेष नारायण त्रिवेदी, श्री शिव कुमार गुप्ता, श्री रामगोपाल दुबे आदि ने भी अपने-अपने कानपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये।

सत्र का संचालन श्री अभिनव तिवारी ने किया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव श्री अनूप द्विवेदी ने प्रस्तुत किया।

सत्र में उपस्थित प्रमुख गणमान्य: मर्चेंट्स चैम्बर के उपाध्यक्ष श्री बी.एम. गर्ग, श्री बलराम नरूला, श्री मोहन राम चंदानी, डॉ. मानसी द्विवेदी, श्री म्रदुल, श्री शैलेश श्रीवास्तव, डॉ. कामायनी शर्मा, श्री ए.के. सिन्हा, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों सहित शहर के अन्य बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

सधन्यवाद